नव ग्रह रत्न धारण विधि

रत्न का पूर्ण शुभ फल पाने के लिऐ इसे शुक्ल पक्ष में निर्दिष्ट वार एवं समय में ही धारण करने में रत्न और भी प्रभावशाली हो जाता है। इसे निम्नलिखित तालिका में दिए गए भार या उससे अधिक भार जो कि सवाया हो एवं पौना ना हो जैसे 4-1 /4 रत्ती आदि, उसे निर्दिष्ट धातु में इस प्रकार जड़वाएँ कि रत्न नीचे से अँगुली को स्पर्श करे।

रत्न धारण करते समय अपने इष्ट देव का श्रद्धा पूर्वक स्मरण करना चाहिए । तत्पश्चात अंगूठी को कच्चे दूध एवं गंगाजल मे धोकर शुद्ध करना चाहिए और धूप दीप जलाकर सम्बन्धित ग्रह के मंत्र का कम से कम एक माला जाप करना चाहिए। फिर अंगूठी को धूप देकर निर्दिष्ट अंगुली में दाएं हाथ में धारण करना चाहिए। अंगूठी धारण के पश्चात यथा शक्ति संबंधित ग्रह के पदार्थो का दान करना चाहिए। यदि आप अन्य कोई रत्न पहने हुए है तो यह ध्यान रखें कि पर्सपर विरोधी रत्न एक साथ न पहनें। यह आप निम्नलिखित तालिका से देख सकते है। उपरोक्त विधि से रत्न के शुभ फल प्रचर मात्रा में शीध्र मिल जाते है।

रत्न	ग्रह	भार	धातु	अंगुली	वार	समय	नक्षत्र
माणिक्य	रवि	3 रत्ती	सोने	अनामिका	रविवार	प्रातः	कृतिका, उ. फा., उ. षा.
मोती	चंद्र	3 रत्ती	चांदी	कनिष्ठिका	सोमवार	प्रातः	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6 रत्ती	चांदी	अनामिका	मंगलवार	प्रातः	मृग, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4 रत्ती	सोने	कनिष्ठिका	बुधवार	प्रातः	अष्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4 रत्ती	सोने	तर्जनी	गुरुवार	प्रातः	पुनर्वसु, विशाखा, पू. भाद्र.
हीरा	शुक्र	1 /4 रत्ती	प्लेटिनम	कनिष्ठिका	शुक्रवार	प्रातः	भरणी, पू. भा., पू. षा.,
नीलम	शनि	4 रत्ती	पंचधातु	मध्यमा	शनिवार	संध्या	पुष्य, अनुराधा, उ. भाद्र.
गोमेद	राहू	5 रत्ती	अष्टधातु	मध्यमा	शनिवार	सूर्यास्त	आर्द्रा, स्वाती, शततारका
लहसुनिया	केतु	6 रत्ती	चांदी	अनामिका	गुरुवार	सूर्यास्त	अश्विनी, मघा, मूळ

रत्न	मंत्र	निष्ध रत्न	दान पदार्थ
माणिक्य	ॐ घृणिः सूर्याय नमः	हीरा, नीलम गोमेद	गँहु, गुल, चंदन, लाल वस्त्र
मोती	ॐ सों सोमाय नमः	गोमेद	चावल, चीनी, चांदी, श्वेत वस्त्र
मूंगा	ॐ अं अंगारकाय नमः	हारी, गोमेज, नीलम	गँहु, गुल, तांबा, लाल वस्त्र
पन्ना	ॐ बुं बुधाय नमः	---	मूंगा, कस्तूरी, कांसा, हरित वस्त्र
पुखराज	ॐ बृहस्पतये नमः	हीरा, नीलम	हरभरेका दाल, हलदी, पीला वस्त्र
हीरा	ॐ शुं शुक्राय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	चावल, चांदी, घी, श्वेत वस्त्र
नीलम	ॐ शं शनैश्चराय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	उडद, काले तिल, तेल, काळा वस्त्र
गोमेद	ॐ रां राहवे नमः	माणिक्य, मोती, मूंगा	तिल, तेल कम्बल, भूरा वस्त्र
लहसुनिया	ॐ कें केतवे नमः	---	सप्तधान्य, नारियल, धूम्र वस्त्र